BECC-131

कला स्नातक कार्यक्रम
(BAG/BAM)

सत्रीय कार्य 2026-27

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.–131
पाठ्यक्रम शीर्षक : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

बीईसीसी-131 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत–I

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम-निर्देशिका में सूचित किया था, इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः (i) सत्रीय कार्य द्वारा निरंतर मूल्यांकन; और (ii) सत्रांत परीक्षा। अतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30% अंक निर्धारित है, जबकि सत्रांत परीक्षा के लिए 70% अंक।

आपको 6 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 3 सत्रीय कार्य करने होंगे, और 4 क्रेडिट के पाठ्यक्रम के लिए 2 सत्रीय कार्य करने होंगे। इस सत्रीय कार्य की पुस्तिका में **बी.ई.सी.सी.-131: व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत-I** नामक कोर पाठ्यक्रम का सत्रीय कार्य सम्मिलत है जो 6 क्रेडिट का पाठ्यक्रम है। इस पुस्तिका में 3 शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य है जिनके अंकों का योगफल 100 है और मूल्यांकन में भार 30% है।

सत्रीय कार्य-I में वर्णात्मक श्रेणी के प्रश्न (DCQs) हैं। इनमें आपको निबंधात्मक उत्तर लिखने हैं जिनमें प्रस्तावना और निष्कर्ष भी होते हैं। इनका लक्ष्य आपकी विषयवस्तु को ठीक से समझ उसे भली प्रकार सुस्पष्ट रूप से व्यक्त करने की क्षमता का मूल्यांकन करना है।

सत्रीय कार्य-II में मध्य श्रेणी के प्रश्न हैं। यहाँ आपकी विषय की तर्कों के अनुसार व्याख्या करते हुए संगठित उत्तर लिखने की क्षमता का मूल्यांकन किया जाता है। दूसरे शब्दों में, आपकी विभिन्न संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं में भेद एवं तुलना कर पाने की क्षमता का यहाँ आंकलन किया जाएगा।

सत्रीय कार्य–III में, संक्षिप्त उत्तर वर्ग (SCQs) के प्रश्न हैं। ये प्रश्न आप व्यक्तियों, रचनाओं, घटनाओं या संकल्पनाओं एवं प्रक्रियाओं का पुनःस्मरण कर संबद्ध जानकारी को संक्षेप में व्यक्त करने की क्षमता का विकास करेंगे।

सत्रीय कार्य करना आरंभ करने से पूर्व कार्यक्रम निदेशिका के निर्देशों को ध्यानपूर्वक समझ लें। यह बहुत महत्त्वपूर्ण है कि आप अपने शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें। आपके उत्तर बताई गई शब्द सीमा में ही होने चाहिए। याद रखें कि इन प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन कला में सुधार होगा और आपकी परीक्षा हेतु तैयारी भी होगी।

आपको सत्रांत परीक्षा में शामिल होने का पात्र बनने के लिए कार्यक्रम निदेशिका में बताई गई समय सीमाओं में ही अपने सत्रीय कार्य जमा कराने होंगे।

ये सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास निम्नलिखित समय सीमा के अंदर जमा करा देने चाहिए।

i) **जून 2027 में सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2027 है।**

ii) **दिसंबर 2027 में सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए सत्रीय कार्य जमा कराने की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2027 है।**

आपको अध्ययन केंद्र से सत्रीय कार्य जमा करने की रसीद मिलेगी। उसे संभाल कर रखें। संभव हो तो अपने सत्रीय कार्य की एक फोटो प्रतिलिपि भी करा रखें।

अध्ययन केंद्र मूल्यांकन के बाद आपके सत्रीय कार्य आपको लौटाएगा। आपको मिले अंक अध्येता मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजें जाएंगे?

हम आशा करते हैं कि आप सभी प्रश्न सत्रीय कार्यों में उनके लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार हल करेंगे। इन बातों का ध्यान रखना उपयोगी रहेगा :

1) **नियोजन :** प्रश्नों को ध्यान से देखें और उन इकाइयों को पढ़ें जिन पर वे आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को लिखकर रखें तथा उन्हें तार्किक क्रम में संयोजित करें।

2) **गठन :** अपने उत्तरों की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करते समय कुछ चयन और विश्लेषण ज़रूर करें। अपनी प्रस्तावना तथा निष्कर्षों पर विशेष ध्यान दें।

   सुनिश्चित करें कि आप के उत्तर :

   (क) तर्काधारित एवं सुसंगतिपूर्ण हों;

   (ख) वाक्यों एवं अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट संबंध सूत्र हों, और

   (ग) लिखते समय अभिव्यक्ति, शैली एवं प्रस्तुति पर पर्याप्त ध्यान देते हुए सही उत्तर दिए गए हों।

3) **प्रस्तुति :** जब आप स्वयं संतुष्ट हो जाएं तो जमा कराने के लिए अपने अंतिम साफ-साफ लिखें, जहाँ आवश्यक हो, महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को रेखांकित भी करें। यह भी ध्यान रखें कि बताई गई शब्द सीमाओं का अनुपालन हो रहा हो।

बीईसीसी-131 : व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धांत–I

शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठयक्रम कोड : बी.ई.सी.सी.-131
सत्रीय कार्य कोड : एएसटी/टीएमए/2026-27
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य–1

निम्नलिखित वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। **2×20=40**

1) (क) उपभोक्ता की मांग के निर्धारकों की व्याख्या कीजिए।

(ख) निम्नलिखित आँकड़ों के आधार पर मांग की पार–मूल्य लोच (Cross-Price Elasticity of Demand) ज्ञात कीजिए। क्या वस्तुएँ स्थानापन्न (Substitutes) हैं अथवा पूरक (Complements)?

मूल्य (P) = 80,000 तथा 75,000

मात्रा (Q) = 5,000 तथा 5,500

2) (क) समोत्पाद वक्र (Isoquant) क्या है? समोत्पाद वक्र की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

(ख) समोत्पाद वक्र (Isoquant) तथा सम–लागत रेखा (Iso-cost Line) की सहायता से उत्पादक के संतुलन की व्याख्या कीजिए, जब दी गई लागत पर उत्पादन अधिकतम होता है।

सत्रीय कार्य–2

मध्यम श्रेणी के निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। **3×10=30**

3) उत्पादन संभावना वक्र क्या है? इसकी विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

4) ''दीर्घकालीन औसत लागत वक्र (Long-run Average Cost Curve), अल्पकालीन कुल लागत वक्रों (Short-run Total Cost Curves) का आवरण (Envelope) होता है।'' उपयुक्त चित्र की सहायता से व्याख्या कीजिए।

5) परिवर्ती अनुपातों के नियम (Law of Variable Proportions) का उपयोग करते हुए अल्पकाल में उत्पादन की तीन अवस्थाओं की व्याख्या कीजिए। प्रतिस्पर्धात्मक परिस्थितियों में एक विवेकपूर्ण उत्पादक को द्वितीय अवस्था (Stage-II) में ही उत्पादन क्यों करना चाहिए?

सत्रीय कार्य–3

निम्नलिखित लघु श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। 5×6=30

6) स्पष्ट कीजिए कि 'दुर्लभता (Scarcity)'' सभी आर्थिक गतिविधियों का मूल आधार कैसे है?

7) पैमाने की अर्थव्यवस्थाएँ (Economies of Scale) तथा पैमाने की अनार्थव्यवस्थाएँ (Diseconomies of Scale) क्या हैं? व्याख्या कीजिए।

8) वस्तु X के लिए निम्नलिखित मांग एवं आपूर्ति फलनों के आधार पर संतुलन मूल्य तथा संतुलन मात्रा ज्ञात कीजिए।

$$Q_d = 4500 - 1200P_x$$
$$Q_s = -9500 + 2375P_x$$

9) डूबी हुई लागत (Sunk Cost) तथा स्थिर लागत (Fixed Cost) के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।

10) कार्डिनल उपयोगिता दृष्टिकोण (Cardinal Utility Approach) तथा ऑर्डिनल उपयोगिता दृष्टिकोण (Ordinal Utility Approach) की व्याख्या कीजिए।